DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI PRIYANKA CHATURVEDI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या द्वारा उठाये गये विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Need to honour freedom fighters and to confer Bharat Ratna on Shri Biju Patnaik, posthumously

श्री मुजीबुल्ला खान (ओडिशा): माननीय सभापति महोदय, आपने आज मुझे स्वाधीनता सेनानियों के बारे में बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। वे स्वाधीनता सेनानी, जिन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है, मैं सोचता हूं कि उनको सम्मान नहीं मिला है। महोदय, हज़ारों उदाहरण हैं, लेकिन मैं सिर्फ तीन उदाहरण देना चाहता हूं। पहला यह है कि जिस कश्मीर को लेकर आज हम गर्व करते हैं, जिसके कारण हमारे देश का सिर ऊंचा है, उस कश्मीर पर जब पाकिस्तानी घुसपैठिए आक्रमण करने के लिए अंदर घुस गए थे, तो उस वक्त तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने उनको भेजा था। वे ऐसे pilot थे, जिन्होंने पंजाब रेजिमेंट को first time श्रीनगर में उतारा, इसलिए वे पूरे कश्मीर को occupy नहीं कर सके। दूसरी बात, आजकल 'आत्मनिर्भर भारत' चल रहा है, हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी 'आत्मनिर्भर भारत' को जोर-शोर से चला रहे हैं, लेकिन 'आत्मनिर्भर भारत' को 60 साल पहले बीजू पटनायक जी ने शुरू किया था। अगर वह 60 साल पहले Hindustan Aeronautics Limited, HAL नहीं बनाते, तो हम आज आत्मनिर्भर भारत के पास नहीं पहुंच पाते। इसे वे 60 साल पहले सोच चुके थे। बीजू पटनायक एक ऐसे स्वाधीनता सेनानी थे, जो तीन देशों के लिए लड़े थे। उन्होंने तीन देशों के स्वाधीनता संग्राम में भाग लिया था। इसीलिए जब बीजू बाबू का निधन हुआ, तो उनके लिए तीन देशों के झंडे झुके। वे देश हैं - रशिया, इंडोनेशिया और भारतवर्ष।

माननीय सभापति महोदय, मैं इसके संबंध में आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं, सारे सदन से अनुरोध करना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि बीजू बाबू जैसे नेता को आज तक 'भारत रत्न' नहीं दिया गया। महोदय, उनको यह सम्मान मिलना चाहिए।

हमारे जितने भी राज्य सभा के सदस्य हैं, मैं सबसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि आप लोग सब बोलिए कि बीजू पटनायक जैसे नेता को 'भारत रत्न' जरूर मिलना चाहिए।

श्री सभापति: जो सदस्य एसोसिएट करना चाहते हैं, वे अपने नाम की स्लिप भेज दीजिए। चौधरी सुखराम सिंह यादव।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

डा. फौजिया खान (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री जुगलसिंह माथुरजी लोखंडवाला (गुजरात): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRI PRASANNA ACHARYA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRIMATI PRIYANKA CHATURVEDI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

Need to release funds under the Saansad Adarsh Gram Yojana for the development of villages

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति जी, मैं जो विषय लेकर आया हूं, वह विषय हम लोगों के सम्मान से जुड़ा हुआ है। हम लोग जब एमपी बने, तो जिला अधिकारी का पत्र आया कि आपको एक गांव 'आदर्श गांव' के रूप में गोद लेना है। इसे 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' के अंतर्गत रखा गया है। इसके तहत हर साल एक गांव हमने गोद लिया। हमने कानपुर में ही पहला गांव गोद लिया - विधनू ब्लॉक में पिपौरी, दूसरा गांव लिया - विधनू ब्लॉक में मर्दनपुर, तीसरा गांव लिया - विधनू ब्लॉक में सपई और चौथा गांव गोद लिया - घाटमपुर में वेन्दा। मैंने चार साल में चार गांवों को गोद लिया। महोदय, यह दुर्भाग्य की बात है कि उन चारों गांवों में अब तक विकास के कोई काम नहीं हुए हैं। हम लोगों के पास निधि का जो धन था, वह भी दो साल के लिए बंद कर दिया गया। ऐसी स्थिति में उन गांवों में विकास नहीं हो रहा है। गांव वाले परेशान करते हैं कि हमारे गांव में कुछ नहीं हुआ। हम कहते हैं कि हमारे पास धन नहीं है। माननीय सांसदों के लिए एक समस्या पैदा हो गई है। इसके बारे में आपको निर्णय करना होगा और आपको कुछ व्यवस्था देनी होगी, ताकि जो गांव 'आदर्श गांव' के रूप में गोद लिए गए हैं, उन गांवों में विकास हो, ताकि हम लोगों का मान-सम्मान भी रहे और इस सदन का भी सम्मान रहे। मैं आपसे यह अपील करूंगा और मैं चाहूंगा कि आप इस संबंध में निर्देश दें। मेरी मांग है कि सरकार अविलम्ब 'सांसद आदर्श ग्राम योजना' के तहत अलग से निधि जारी करने का नीतिगत निर्णय करे, जिससे इस योजना में हम लोगों का सम्मान बढ़े और गांव में विकास भी हो।

श्री सभापति: एसोसिएट करने के लिए आपको अपना नाम भेजना पड़ेगा।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।